

स्त

इलीमलिक मोआब चला जाता है

1-2 उन दिनों जब काज़ी कौम की राहनुमाई किया करते थे तो इसराईल में काल पड़ा। यहदाह के शहर बैत-लहम में एक इफराती आदमी रहता था जिसका नाम इलीमलिक था। काल की वजह से वह अपनी बीवी नओमी और अपने दो बेटों महलोन और किलियोन को लेकर मूल्के-मोआब में जा बसा।

3 लेकिन कुछ देर के बाद इलीमलिक फैत हो गया, और नओमी अपने दो बेटों के साथ अकेली रह गई।

4 महलोन और किलियोन ने मोआब की दो औरतों से शादी कर ली। एक का नाम उरफा था और दूसरी का स्त। लेकिन तकरीबन दस साल के बाद

5 दोनों बेटे भी जान-बहक हो गए। अब नओमी का न शौहर और न बेटे ही रहे थे।

नओमी स्त के साथ वापस चली जाती है

6-7 एक दिन नओमी को मूल्के-मोआब में खबर मिली कि रब अपनी कौम पर रहम करके उसे दुबारा अच्छी फसलें दे रहा है। तब वह अपने बतन यहदाह के लिए रवाना हुई। उरफा और स्त भी साथ चली।

जब वह उस रास्ते पर आ गई जो यहदाह तक पहुँचाता है

8 तो नओमी ने अपनी बहुओं से कहा, “अब अपने माँ-बाप के घर वापस चली जाएँ। रब आप पर उतना रहम करे जितना आपने मरहमों और मुझ पर किया है।

9 वह आपको नए घर और नए शौहर मुहैया करके सुकून दे।”

यह कहकर उसने उन्हें बोसा दिया। दोनों रो पड़ी

10 और एतराज किया, “हरगिज़ नहीं, हम आपके साथ आपकी कौम के पास जाएँगी।”

11 लेकिन नओमी ने इसरार किया, “बेटियो, बस करें और अपने अपने घर वापस चली जाएँ। अब मेरे साथ जाने का क्या फायदा? मुझसे तो मज़ीद कोई बेटा ऐदा नहीं होगा जो आपका शौहर बन सके।

12 नहीं बेटियो, वापस चली जाएँ। मैं तो इतनी बूढ़ी हो चुकी हूँ कि दुबारा शादी नहीं कर सकती। और अगर इसकी उम्मीद भी होती बल्कि मेरी शादी आज रात को होती और मेरे हाँ बेटे पैदा होते

13 तो क्या आप उनके बालिग हो जाने तक इंतजार कर सकती? क्या आप उस वक्त तक किसी और से शादी करने से इनकार करती? नहीं, बेटियो। रब ने अपना हाथ मेरे खिलाफ उठाया है, तो आप इस लानत की ज़द में क्यों आएँ?”

14 तब उरफा और स्त दुबारा रो पड़ीं। उरफा ने अपनी सास को चूमकर अलविदा कहा, लेकिन स्त नओमी के साथ लिपटी रही।

15 नओमी ने उसे समझाने की कोशिश की, “देखें, उरफा अपनी कौम और अपने देवताओं के पास वापस चली गई है। अब आप भी ऐसा ही करें।”

16 लेकिन स्त ने जवाब दिया, “मुझे आपको छोड़कर वापस जाने पर मजबूर न कीजिए। जहाँ आप जाएँगी मैं जाऊँगी। जहाँ आप रहेंगी वहाँ मैं भी रहूँगी। आपकी कौम मेरी कौम और आपका खुदा मेरा खुदा है।

17 जहाँ आप मरेंगी वही मैं मरूँगी और वही दफन हो जाऊँगी। सिर्फ मौत ही मुझे आपसे अलग कर सकती है। अगर मेरा यह वादा पूरा न हो तो अल्लाह मुझे सख्त सज्जा दे!”

18 नओमी ने जान लिया कि स्त का साथ जाने का पक्का इरादा है, इसलिए वह खामोश हो गई और उसे समझाने से बाज़ आई।

19 वह चल पड़ी और चलते चलते बैत-लहम पहुँच गई। जब दाखिल हुई तो पूरे शहर में हलचल मच गई। औरतें कहने लगी, “क्या यह नओमी नहीं है?”

20 नओमी ने जवाब दिया, “अब मुझे नओमी * मत कहना बल्कि मारा, † क्योंकि कादिरे-मुतलक ने मुझे सख्त मुसीबत में डाल दिया है।

21 यहाँ से जाते वक्त मेरे हाथ भरे हुए थे, लेकिन अब रब मुझे खाली हाथ वापस ले आया है। चुनाँचे मुझे नओमी मत कहना। रब ने खुद मेरे खिलाफ गवाही दी है, कादिरे-मुतलक ने मुझे इस मुसीबत में डाला है।”

22 जब नओमी अपनी मोआबी बह के साथ बैत-लहम पहुँची तो जौ की फ़सल की कटाई शुरू हो चुकी थी।

* **1:20** खुशगवार, खुशीवाली। † **1:20** कड़वी।

2

स्त की बोअज्ज से मुलाकात

1 बैत-लहम में नओमी के मरहम शौहर का रिश्तेदार रहता था जिसका नाम बोअज्ज था। वह असरो-रसूख रखता था, और उस की ज़मीनें थीं।

2 एक दिन स्त ने अपनी सास से कहा, “मैं खेतों में जाकर फसल की कटाई से बची हुई बालें चुन लौँ। कोई न कोई तो मुझे इसकी इजाजत देगा।” नओमी ने जवाब दिया, “ठीक है बेटी, जाएँ।”

3 स्त किसी खेत में गई और मज्जदूरों के पीछे पीछे चलती हुई बची हुई बालें चुनने लगी। उसे मालूम न था कि खेत का मालिक सुसर का रिश्तेदार बोअज्ज है।

4 इन्हें में बोअज्ज बैत-लहम से पहुँचा। उसने अपने मज्जदूरों से कहा, “रब आपके साथ हो!” उन्होंने जवाब दिया, “और रब आपको भी बरकत दे!”

5 फिर बोअज्ज ने मज्जदूरों के इंचार्ज से पूछा, “उस जवान औरत का मालिक कौन है?”

6 आदमी ने जवाब दिया, “यह मोआबी औरत नओमी के साथ मुल्के-मोआब से आई है।

7 इसने मुझसे मज्जदूरों के पीछे चलकर बची हुई बालें चुनने की इजाजत ली। यह थोड़ी देर झोंपड़ी के साथे में आराम करने के सिवा सुबह से लेकर अब तक काम में लगी रही है।”

8 यह सुनकर बोअज्ज ने स्त से बात की, “बेटी, मेरी बात सुनें! किसी और खेत में बची हुई बालें चुनने के लिए न जाएँ बल्कि यही मेरी नौकरानियों के साथ रहें।

9 खेत के उस हिस्से पर ध्यान दें जहाँ फसल की कटाई हो रही है और नौकरानियों के पीछे पीछे चलती रहें। मैंने आदमियों को आपको छेड़ने से मना किया है। जब भी आपको प्यास लगे तो उन बरतनों से पानी पीना जो आदमियों ने कुएँ से भर रखे हैं।”

10 स्त मुँह के बल झुक गई और बोली, “मैं इस लायक नहीं कि आप मुझ पर इतनी मेहरबानी करें। मैं तो परदेसी हूँ। आप क्यों मेरी कदर करते हैं?”

11 बोअज्ज ने जवाब दिया, “मुझे वह कुछ बताया गया है जो आपने अपने शौहर की वफात से लेकर आज तक अपनी सास के लिए किया है। आप अपने माँ-बाप और अपने बतन को छोड़कर एक कौम में बसने आई हैं जिसे पहले से नहीं जानती थीं।

12 आप रब इसराईल के खुदा के परों तले पनाह लेने आई हैं। अब वह आपको आपकी नेकी का पूरा अज्ञ दे।”

13 स्त ने कहा, “मेरे आका, अल्लाह करे कि मैं आइंदा भी आपकी मंजूरे-नज़र रहूँ। गो मैं आपकी नौकरानियों की हैसियत भी नहीं रखती तो भी आपने मुझसे शफक्त भरी बातें करके मुझे तसल्ली दी है।”

14 खाने के बक्त बोअज्ज ने स्त को बुलाकर कहा, “इधर आकर रोटी खाएँ और अपना नवाला सिरके में डुबो दें।” स्त उसके मज़दूरों के साथ बैठ गई, और बोअज्ज ने उसे जौ के भुजे हुए दाने दे दिए। स्त ने जी भरकर खाना खाया। फिर भी कुछ बच गया।

15 जब वह काम जारी रखने के लिए उठी तो बोअज्ज ने हक्म दिया, “उसे पूलों के दरमियान भी बालें जमा करने दो, और अगर वह ऐसा करे तो उस की बेइज्जती मत करना।

16 न सिर्फ़ यह बल्कि काम करते बक्त इधर-उधर पूलों की कुछ बालें जमीन पर गिरने दो। जब वह उन्हें जमा करने आए तो उसे मत झिङ्कना!”

17 स्त ने खेत में शाम तक काम जारी रखा। जब उसने बालों को कूट लिया तो दानों के तकरीबन 13 किलोग्राम निकले।

18 फिर वह सब कुछ उठाकर अपने घर वापस ले आई और सास को दिखाया। साथ साथ उसने उसे वह भुजे हुए दाने भी दिए जो दोषहर के खाने से बच गए थे।

19 नओमी ने पूछा, “आपने यह सब कुछ कहाँ से जमा किया? बताएँ, आप कहाँ थीं? अल्लाह उसे बरकत दे जिसने आपकी इतनी कदर की है!”

स्त ने कहा, “जिस आदमी के खेत में मैंने आज काम किया उसका नाम बोअज्ज है।”

20 नओमी पुकार उठी, “रब उसे बरकत दे! वह तो हमारा करीबी रिश्तेदार है, और शरीअत के मुताबिक़ उसका हक है कि वह हमारी मदद करे। अब मुझे मालूम हुआ है कि अल्लाह हम पर और हमारे मरहम शौहरों पर रहम करने से बाज़ नहीं आया!”

21 स्त बोली, “उसने मुझसे यह भी कहा कि कहीं और न जाना बल्कि कटाई के इछिताम तक मेरे मज़दूरों के पीछे पीछे बालें जमा करना।”

22 नओमी ने जवाब में कहा, “बहुत अच्छा। बेटी, ऐसा ही करें। उस की नौकरानियों के साथ रहने का यह फायदा है कि आप महफूज़ रहेंगी। किसी और के खेत में जाएँ तो हो सकता है कि कोई आपको तंग करे।”

23 चुनाँचे स्त जौ और गंदुम की कटाई के पूरे मौसम में बोअज्ज की नौकरानियों के पास जाती और बची हुई बालें चुनती। शाम को वह अपनी सास के घर वापस चली जाती थी।

3

स्त की शादी की कोशिशें

1 एक दिन नओमी स्त से मुखातिब हुई, “बेटी, मैं आपके लिए घर का बंदोबस्त करना चाहती हूँ, ऐसी जगह जहाँ आपकी ज़रूरियात आइंदा भी पूरी होती रहेंगी।

2 अब देखें, जिस आदमी की नौकरानियों के साथ आपने बालें चुनी हैं वह हमारा करीबी रिश्तेदार है। आज शाम को बोअज्ज गाहने की जगह पर जौ फटकेगा।

3 तो सुन लें, अच्छी तरह नहाकर खुशबूदार तेल लगा लें और अपना सबसे खूबसूरत लिबास पहन लें। फिर गाहने की जगह जाएँ। लेकिन उसे पता न चले कि आप आई हैं। जब वह खाने-पीने से फारिगा हो जाएँ

4 तो देख लें कि बोअज्ज सोने के लिए कहाँ लेट जाता है। फिर जब वह सो जाएगा तो वहाँ जाएँ और कम्बल को उसके पैरों से उतारकर उनके पास लेट जाएँ। बाकी जो कुछ करना है वह आपको उसी वक्त बताएगा।”

5 स्त ने जवाब दिया, “ठीक है। जो कुछ भी आपने कहा है मैं करूँगी।”

6 वह अपनी सास की हिदायत के मुताबिक तैयार हुई और शाम के वक्त गाहने की जगह पर पहुँची।

7 वहाँ बोअज्ज खाने-पीने और खुशी मनाने के बाद जौ के ढेर के पास लेटकर सो गया। फिर स्त चुपके से उसके पास आई। उसके पैरों से कम्बल हटाकर वह उनके पास लेट गई।

8 आधी रात को बोअज्ज घबरा गया। टटोल टटोलकर उसे पता चला कि पैरों के पास औरत पड़ी है।

9 उसने पूछा, “कौन है?” स्त ने जवाब दिया, “आपकी खादिमा स्त। मेरी एक गुजारिश है। चूँकि आप मेरे करीबी रिश्तेदार हैं इसलिए आपका हक्क है कि मेरी ज़रूरियात पूरी करें। मेहरबानी करके अपने लिबास का दामन मुझ पर बिछाकर ज़ाहिर करें कि मेरे साथ शादी करेंगे।”

10 बोअज़ बोला, “बेटी, रब आपको बरकत दे! अब आपने अपने सुसराल से बफादारी का पहले की निसबत ज्यादा इज़हार किया है, क्योंकि आप जवान आदमियों के पीछे न लगी, खाह गरीब हों या अमीर।

11 बेटी, अब फ़िकर न करें। मैं ज़स्तर आपकी यह गुज़ारिश पूरी करूँगा। आखिर तमाम मकामी लोग जान गए हैं कि आप शरीफ औरत हैं।

12 आपकी बात सच है कि मैं आपका करीबी रिश्तेदार हूँ और यह मेरा हक है कि आपकी ज़रूरियात पूरी करूँ। लेकिन एक और आदमी है जिसका आपसे ज्यादा करीबी रिश्ता है।

13 रात के लिए यहाँ ठहरें! कल मैं उस आदमी से बात करूँगा। अगर वह आपसे शादी करके रिश्तेदारी का हक अदा करना चाहे तो ठीक है। अगर नहीं तो रब की क्रसम, मैं यह ज़स्तर करूँगा। आप सुबह के वक्त तक यहीं लेटी रहें।”

14 चुनाँचे स्त बोअज़ के पैरों के पास लेटी रही। लेकिन वह सुबह मुँह अंधेरे उठकर चली गई ताकि कोई उसे पहचान न सके, क्योंकि बोअज़ ने कहा था, “किसी को पता न चले कि कोई औरत यहाँ गाहने की जगह पर मेरे पास आई है।”

15 स्त के जाने से पहले बोअज़ बोला, “अपनी चादर बिछा दें!” फिर उसने कोई बरतन छः दफा जौ के दानों से भरकर चादर में डाल दिया और उसे स्त के सर पर रख दिया। फिर वह शहर में वापस चला गया।

16 जब स्त घर पहुँची तो सास ने पूछा, “बेटी, वक्त कैसा रहा?” स्त ने उसे सब कुछ सुनाया जो बोअज़ ने जवाब में किया था।

17 स्त बोली, “जौ के यह दाने भी उस की तरफ से हैं। वह नहीं चाहता था कि मैं खाली हाथ आपके पास वापस आऊँ।”

18 यह सुनकर नओमी ने स्त को तसल्ली दी, “बेटी, जब तक कोई नतीजा न निकले यहाँ ठहर जाएँ। अब यह आदमी आराम नहीं करेगा बल्कि आज ही मामले का हल निकालेगा।”

4

1 बोअज़ शहर के दरवाज़े के पास जाकर बैठ गया जहाँ बुजुर्ग फैसले किया करते थे। कुछ देर के बाद वह रिश्तेदार वहाँ से गुज़रा जिसका जिक्र बोअज़ ने स्त से किया था। बोअज़ उससे मुखातिब हुआ, “दोस्त, इधर आएँ। मेरे पास बैठ जाएँ।”

रिश्तेदार उसके पास बैठ गया

2 तो बोअज्ज ने शहर के दस बुजुर्गों को भी साथ बिठाया।

3 फिर उसने रिश्तेदार से बात की, “नओमी मुल्के-मोआब से वापस आकर अपने शौहर इलीमलिक की ज़मीन फरोख्त करना चाहती है।

4 यह ज़मीन हमारे खानदान का मौस्सी हिस्सा है, इसलिए मैंने मुनासिब समझा कि आपको इतला दूँ ताकि आप यह ज़मीन खरीद लें। बैत-लहम के बुजुर्ग और साथ बैठे राहनुमा इसके गवाह होंगे। लाजिम है कि यह ज़मीन हमारे खानदान का हिस्सा रहे, इसलिए बताएँ कि क्या आप इसे खरीदकर छुड़ाएँगे? आपका सबसे करीबी रिश्ता है, इसलिए यह आप ही का हक है। अगर आप ज़मीन खरीदना न चाहें तो यह मेरा हक बनेगा।” रिश्तेदार ने जवाब दिया, “ठीक है, मैं इसे खरीदकर छुड़ाऊँगा।”

5 फिर बोअज बोला, “अगर आप नओमी से ज़मीन खरीदें तो आपको उस की मोआबी बह स्त से शादी करनी पड़ेगी ताकि मरहम शौहर की जगह औलाद पैदा करें जो उसका नाम रखकर यह ज़मीन सँभालें।”

6 यह सुनकर रिश्तेदार ने कहा, “फिर मैं इसे खरीदना नहीं चाहता, क्योंकि ऐसा करने से मेरी मौस्सी ज़मीन को नुकसान पहुँचेगा। आप ही इसे खरीदकर छुड़ाएँ।”

7 उस ज़माने में अगर ऐसे किसी मामले में कोई ज़मीन खरीदने का अपना हक किसी दूसरे को मुंतकिल करना चाहता था तो वह अपनी चप्पल उतारकर उसे दे देता था। इस तरीके से फैसला क्रानूनी तौर पर तय हो जाता था।

8 चुनाँचे स्त के ज्यादा करीबी रिश्तेदार ने अपनी चप्पल उतारकर बोअज को दे दी और कहा, “आप ही ज़मीन को खरीद लें।”

9 तब बोअज ने बुजुर्गों और बाकी लोगों के सामने एलान किया, “आज आप गवाह हैं कि मैंने नओमी से सब कुछ खरीद लिया है जो उसके मरहम शौहर इलीमलिक और उसके दो बेटों किलियोन और महलोन का था।

10 साथ ही मैंने महलोन की बेवा मोआबी औरत स्त से शादी करने का वादा किया है ताकि महलोन के नाम से बेटा पैदा हो। यों मरहम की मौस्सी ज़मीन खानदान से छिन नहीं जाएगी, और उसका नाम हमारे खानदान और बैत-लहम के बाशिंदों में क्रायम रहेगा। आज आप सब गवाह हैं।”

11 बुजुर्गों और शहर के दरवाजे पर बैठे दीगर मर्दों ने इसकी तसदीक की, “हम गवाह हैं! रब आपके घर में आनेवाली इस औरत को उन बरकतों से नवाज़े जिनसे उसने राखिल और लियाह को नवाज़ा, जिनसे तमाम इसराईली निकले। रब करे कि आपकी दीलत और इज़ज़त इफराता यानी बैत-लहम में बढ़ती जाए।

12 वह आप और आपकी बीवी को उतनी औलाद बछो जितनी तमर और यहदाह के बेटे फ़ारस के खानदान को बख्त्री थी।”

13 चुनाँचे स्त बोअज़ की बीवी बन गई। और रब की मरज़ी से स्त शादी के बाद हामिला हुई। जब उसके बेटा हुआ

14 तो बैत-लहम की औरतों ने नओमी से कहा, “रब की तमजीद हो! आपको यह बच्चा अता करने से उसने ऐसा शब्द मुहैया किया है जो आपका खानदान सँभालेगा। अल्लाह करे कि उस की शोहरत पूरे इसराईल में फैल जाए।

15 उससे आप ताज़ादम हो जाएँगी, और बुढ़ापे में वह आपको सहारा देगा। क्योंकि आपकी बह जो आपको प्यार करती है और जिसकी कदरो-कीमत सात बेटों से बढ़कर है उसी ने उसे जन्म दिया है!”

16 नओमी बच्चे को अपनी गोद में बिठाकर उसे पालने लगी।

17 पड़ोसी औरतों ने उसका नाम ओबेद यानी खिदमत करनेवाला रखा। उन्होंने कहा, “नओमी के हाँ बेटा पैदा हुआ है!”

ओबेद दाऊद बादशाह के बाप यस्सी का बाप था।

18 ज़ैल में फ़ारस का दाऊद तक नसबनामा है : फ़ारस, हसरोन,

19 राम, अम्मीनदाब,

20 नहसोन, सलमोन,

21 बोअज़, ओबेद,

22 यस्सी और दाऊद।

کتابہ-مُکدّس

The Holy Bible in the Urdu language, Urdu Geo Version, Hindi Script

Copyright © 2019 Urdu Geo Version

Language: اردو (Urdu)

This translation is made available to you under the terms of the Creative Commons Attribution-Noncommercial-No Derivatives license 4.0.

You may share and redistribute this Bible translation or extracts from it in any format, provided that:

You include the above copyright and source information.

You do not sell this work for a profit.

You do not change any of the words or punctuation of the Scriptures.

Pictures included with Scriptures and other documents on this site are licensed just for use with those Scriptures and documents. For other uses, please contact the respective copyright owners.

2024-09-20

PDF generated using Haiola and XeLaTeX on 1 Jul 2025 from source files dated 20 Sep 2024

a1ee0020-7263-5fce-8289-9d7a7ac2d299